

DPN 5592

Title : पाण्डव (गीता) स्तोत्र

Run. No. 6283

Cat. No.

Micro. No.

Subject *होत्र / Hymn*

Religion : *✓* Hindu / Bauddha

Language : *✓* Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 17.5 x 7

Folios *9*

Lines (in a page) 6

Compl. / *✓* Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: *✓* NS / SS / VS / KS 897

Ruler / place

Script : *✓* New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / *✓* thyaśaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water / *badly damaged.*

Beginning, colophon, post-colophon :

इति पाण्डव गीता स्तोत्रं समाप्तं ॥ *द्वारक* ॥
१ संवत् ८९७ आश्विन शुद्धया ११ रोज २ *ध्वज* शुद्ध चोय धुनका दिन उत्तरे ॥
शुद्ध भवतु ॥

centimeter

5

10

15

20

15

10

5

0

centimeter

5

10

15

20

ना नाय लभ द मा गुं विमर्द ^{किं} सुखि नारु द कि ॥ १२ ॥ अरु ३
 नउवा ॥ अरु हि ना नाय ल द सदा स ४ द स स्य द सा सिदि द
 सदा स १ अ न्या न्य मी ६ ॥ ज ग नानि न ७ न सा द द ध न्ये न नो ५
 सि ला क ॥ २० ॥ विद नउवा ॥ दाम ८ स ९ र का १० ना रु ४
 हुं ग मान सा ११ न स्य द स स्य द सा द र १२ स नि ॥ २१ ॥
 ली ष्ट उ वा ॥ वि य नी र १३ का ल १४ ॥ १५ ॥
 १६ ॥ हि १७ ॥ १८ ॥

हि मां कृपया कृष्टुं गनना गनवत्सल ॥ २२ ॥ डा ला वाय उवाचा
 यथं दगा श्व क ध व ल दे या मु ला वा ना थ न ऊ ना द न न । ग न
 ग ना वे निल य स वा ला । का । धा यि द व स्य व ल न उ ल्य ॥ २३ ॥
 कृ या वा य उ वा च ॥ य कृ न नि रु ल मि दं म धू के ट ला न म ल्यार्थ
 ने क म द न ग द न ष उ वा ॥ ल हू ल्य ह ल्य य नि वा न क ह ल्य ह ल्य ह
 ल्य ह ल्य ह ॥ नि मां स्म त ला के ना थ ॥ २४ ॥ अ श्व लो भा वा च ॥
 १२६१४ ॥ ॐ ४३३ क र उ द सि दि शी ला ॥ १३ ॥

ॐ वि न्द क ण व ज ना र्द न वा स द व वि ॥ श्व न वि श्व न धू स्
 द न वि श्व त्र य शी य द्र ना ल्य रू धा ल म य द्र न उ ना वा य न
 य न न सि द न मा न म रु ॥ २५ ॥ क ण उ वा च ॥ ना न वि दा मि न म
 ॐ मि न वि क या ना न्य स्म त मि न रु ऊ मि न वा य मि । न व ल द
 य र व ल द्र य मा द न ल शी जी नि वा स मू रू धा ल म द दि दा र्थ ॥
 ॥ २६ ॥ ४ न वा य उ वा च ॥ न मा न म ४ का व ल यो म ना य ना वा य

आया मित्र विक्रमाय। गन्धर्वका सिगदाधराय नमो सुगन्धर्व
 पूषा रुमाय॥ २०॥ गन्धर्वकाय॥ त्वमेव माताय पिता त्वमेव त्व
 मेव धर्मसखा त्वमेव त्वमेव विशादविर्ष त्वमेव त्वमेव सर्व
 मम देव देव॥ २१॥ इत्यर्धेन उवाच॥ जानामि धर्मं न च मय दृष्ट
 र्हि जानामि धर्मं न च मम निवृत्तिः॥ कनापि दधनं दृष्टिं न
 यथा नियुक्तं मित्रं तथा कनामि॥ २२॥ जनुस्तु यदा धर्मेन

जनुगत्पूषा रुमाय नमो जनुगत्पूषा रुमाय नमो जनुगत्पूषा
 नदियत॥ २३॥ इत्युवाच॥ यत्कृष्ण नन्दत्वा विन्द्या साध
 वानक कृष्ण देवः स्य नन्दत्वा विन्द्या साध
 न॥ २४॥ जयदेव उवाच॥ ननु कृष्णाय सद्वाय उक्तं नन्द
 मूलया योऽप्यप्यनाय जायते त्वामहं मननं गतः॥ २५॥
 विकर्ण उवाच॥ कृष्णाय सद्वाय देवकी नन्दता च।

15

10

5

0

१५ यमगमादि

नंदंभवेकालायनं नन्दायनमानमशा ३३ ॥ ८८॥ मय
रुउवाव॥ नमययकल्यान नमस्तु विष्णु नन्दन वासुद
वायभा कायजती नापटयनमशा ३४ ॥ वेनातिनउवा
वानमावकल्यदवाय रभावा कलहितायवाजव
द्विगाय कल्यय रभाविन्दायनमानमशा ३५ ॥ ८९॥
उवावा ॥ अगशीय वृषा नकास पीतवास समायगी

१५

यनमस्तुति ८८॥ विन्दं नगाषां विद्यतहर्मा ॥ वलर
उउवाव ॥ कल्लकृष्णकपाल स्वमगलीनां गतिवि। सं
साता न वेम नाना प्रसीदय न वाहम ॥ ९० ॥ कल्लकृष्ण
वा ॥ सत्यवतीति मन्त्रा ८ स्वयं कृद्वोदु म्मा मा म
कन्दन नहिंदुजनाई भमि। जीवन्तयथ नदि नमम
नाममाणां वे क ८ कासनि लयं सनवत्तु माति ॥ कल्लकृष्ण
निकृष्णमिया मा म्मन्त्रा नित्यमशु संहि लाम कयप्रं न
नकाइ

15

10

5

0

1 को का
लिनेय ह्य (पावेल्य) क... विनं गायम नोय कयल्य ८
दाद नातय स न ल ता यः स व नि गो ध नि व र नि क य ८
सि-य-य ३ यण शु गो दान कं थय स ४०० प्र उ वा य नि न क य ३
श मा न म् उ य म न व नि ता थि क ४ कि ल या ना वि गि द व ४-
८ क ग व ४ क ग ना म न १० ना न द उ वा य ॥ ज्ञा न न र स
८ सु म् इ तं का धा न स मा धि ति ४ न ना र्म की न या या

८ कृ ता क ४८ ग्रा म ना य ॥ ८ न न वा च र ना य ग्रा म
स ह म् वृ य वृ य वृ य ग्रा म् हः न वृ न वृ य ग्रा म् कि
८ न वि नो ल स दा ल यि। म पी नि न वि य का ना वि व य
८ व न या यि। ता म वृ म् न ता म म ह द या म व स र्ग ॥
८ नि म् मि र उ ज वा य ॥ कि न स्य द न श्रु ति ती ४ कि न था ८
८ ति ४ कि म ध्व ४ प्र नि ल्य ॥ म ये न द व ना ता य न
८ ज न द ४ ४ री य म र्ग ॥ नि ल्या स वा त वे ल या नि

15

10

5

0

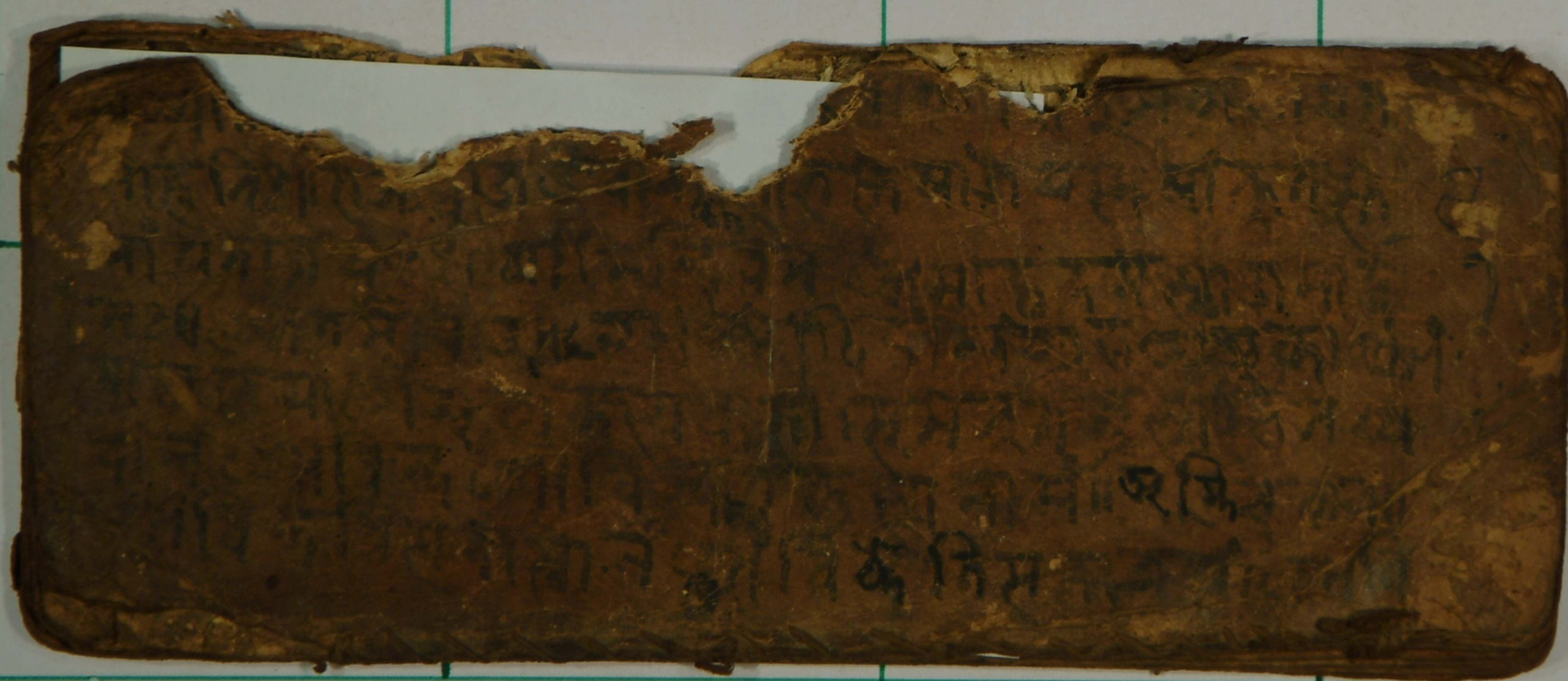
centimeter

5

10

15

20



15

नमो सदा नमः ॥ विसृज्य सर्वं ॥ विसृज्य सर्वं ॥ विसृज्य सर्वं ॥
 कृष्णं तिमिरं गलं नाम यस्य वासिष्ठं वरुणं ॥ तस्मै नमः ॥
 तस्या ॥ महापातक काटय ॥ अनु चरु वाच ॥ कृष्णं
 स्मरन्मादव वाचं संचात पुंजलं ॥ भक्त्या तदभावादिभिः
 त्रिविधा हतायथा ॥ तच्छ्रुत्वा काममाहितत्वं ॥ अविर्न
 नाम तत्त्वं ॥ तद्विर्कदं नृणां नमः ॥ तद्विर्कदं नृणां नमः ॥
 मा गत ॥ तद्विर्कदं नृणां नमः ॥ तद्विर्कदं नृणां नमः ॥

३
 १५
 २
 ३१०

10

नमो सदा नमः ॥ विसृज्य सर्वं ॥ विसृज्य सर्वं ॥ विसृज्य सर्वं ॥
 कृष्णं तिमिरं गलं नाम यस्य वासिष्ठं वरुणं ॥ तस्मै नमः ॥
 तस्या ॥ महापातक काटय ॥ अनु चरु वाच ॥ कृष्णं
 स्मरन्मादव वाचं संचात पुंजलं ॥ भक्त्या तदभावादिभिः
 त्रिविधा हतायथा ॥ तच्छ्रुत्वा काममाहितत्वं ॥ अविर्न
 नाम तत्त्वं ॥ तद्विर्कदं नृणां नमः ॥ तद्विर्कदं नृणां नमः ॥
 मा गत ॥ तद्विर्कदं नृणां नमः ॥ तद्विर्कदं नृणां नमः ॥

३
 १५
 २
 ३१०

5

0

15

10

5

0

१
 २
 ३
 ४
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०
 ११
 १२
 १३
 १४
 १५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

१
 २
 ३
 ४
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०
 ११
 १२
 १३
 १४
 १५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

ये या नानि मिषं व नीमद वा वा वा निमिषीनि
 मिषं दु म्मा य स्म त कि ज ना द न क रु का टि सह मा पर
 लुं गे स रु के रु सं व य आ उ क ड वा य आ सा कु स
 व म्मा सु नि वि वा र्थ य द न ४ द न ४ ०० द म के
 रु मि ष्य त्रं ल्म या ना ता य न ४ स दा ॥ १० वं म्मा वे
 द या द वा ४ उ य य म्मा य ना ४ की रु य

कि रु रु ल्म ना ता य नं वि रुं ॥ ०० दं
 य वि रु मा य रु र्म य य रु ल्म स नं ॥ ३४
 स य न ना न नं रुं या रु वे ४ य ति की रु ति
 य ४ य ॥ ५७ या न रु ल्मा य रु वि रु म्मा मा न स ४ रु
 रु र्म मा न स रु ल्म स रु रु रु ल्म स रु ल्म
 गं वां ल रु स रु रु न य य

[illegible][illegible]